मेरी उम्मत का भ्रमण (सर्वशक्तिमान एवं प्रभुत्वशाली) अल्लाह के मार्ग में जिहाद है।

अबू उमामा (रज़ियल्लाहु अंहु) का वर्णन है कि एक व्यक्ति ने कहाः ऐ अल्लाह के रसूल, मुझे भ्रमण की अनुमति दीजिए। तो नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फ़रमायाः "मेरी उम्मत का भ्रमण (सर्वशक्तिमान एवं प्रभुत्वशाली) अल्लाह के मार्ग में जिहाद है।" [सह़ीह़] [इसे अबू दाऊद ने रिवायत किया है।]

https://sunnah.global/hadeeth/hi/show/5033